एबीआई द्राक्षा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर..... कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में नए अवसर

दिनांक 27, अक्टूबर 2023 को भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र पुणे में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ अजय कुमार शर्मा, प्रमुख अन्वेषक, एबीआई के द्वारा सभी के स्वागत से प्रारंभ हुआ। केंद्र के निदेशक डॉ कौशिक बेनर्जी ने एबीआइ द्राक्षा द्वारा किए जा रहे हे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया तथा कृषि व्यवसाय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में इस एबीआई द्वारा दिये जा रहे हे महत्वपूर्ण सहयोग की सराहना भी की। इस कार्यक्रम में रेजनरी एलएलपी के प्रमुख श्री सुजीत कुदले जी ने उनके स्टार्टअप द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी तथा बताया कि वह किस तरह अस्वीकृत किशमिश में मूल्यवर्धन कर रहे हैं। एबीआइ द्राक्षा के सहयोग से बनी फ्रेष्टा फार्मर प्रोडूसर्स कंपनी, इंदापुर के श्री दीपक करगल तथा श्री राजेंद्र वाघमोड़े जी ने भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र के द्वारा किए जा रहे सहयोग की प्रशंसा की तथा अपनी फार्मर प्रोडूसर्स कंपनी के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी। इसके पश्चात् इन दोनों प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र के निदेशक डॉ कौशिक बेनर्जी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस प्रोग्राम में उपस्थित एबीआई द्राक्षा की सलाहकार समिति के सदस्य श्री शांतनु जगताप जी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में व्यवसाय से जुड़ने वाले विभिन्न संस्थानों के लिए एबीआई द्राक्षा के साथ एमसीसीआइए हमेशा सहयोग करेगा और इस क्षेत्र में उपस्थित संभावनाओं का लाभ उचित संस्थानों तक पहुंचाने में पूरा सहयोग दिया जाएगा। डॉ राजीव काले, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरु नगर ने कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में असीमित संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व एबीआई द्राक्षा की सलाहकार समिति की एक बैठक भी आयोजित की गई थी। इस बैठक में दो प्रस्तावों के डीपीआर पर चर्चा की गई थी जो कि कृषि क्षेत्र में आईसीटी के अनुप्रयोग तथा वरजूस के उत्पादन से संबंधित थे। इसके अलावा दो नए प्रस्तावों पर भी विचार विमर्श किया गया। डॉ निशांत देशमुख (वरिष्ठ वैज्ञानिक) ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों में कृषि व्यवसाय उद्भवन केंद्रों के क्रियाकलापों से कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव की सराहना की।

कृषि व्यवसाय उद्भवन केंद्र (एबीआई-द्राक्षा)
श्री. दिपक करगळ

कृषि व्यवसाय उद्भवन केंद्र (एबीआई-द्राक्षा)
भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र